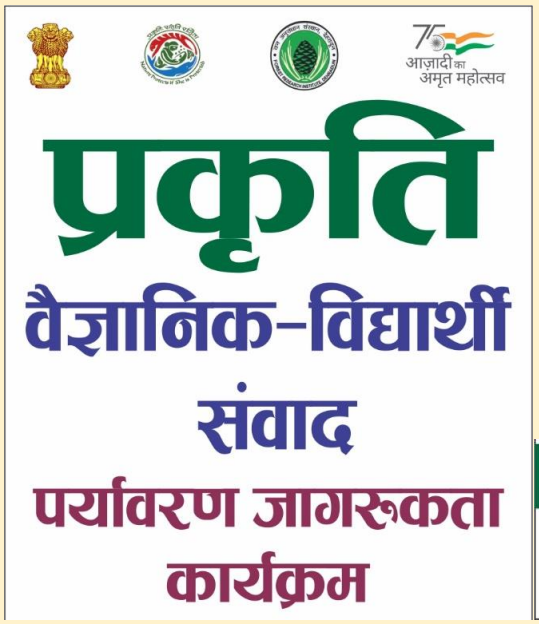


# पर्यावरण जागरूकता हेतु प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन

**पारि-पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज**
**भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून**
(वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली, भारत सरकार)

पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए हमारी जीवन शैली में किए जा सकने वाले छोटे बदलावों के बारे में जन–जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा शुरू किए गए अभियान शुभंकर ''प्रकृति'' के अंतर्गत दिनांक 01.12.2022 को पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सेण्ट्रल एकेडमी स्कूल, झूंसी, प्रयागराज में 35वाँ पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के आरम्भ में कार्यक्रम समन्वयक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन में वनों की भूमिका से अवगत कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आनन्द कुमार पाण्डेय ने मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे प्रकृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि आज मानव अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति में असंतुलन पैदा करता जा रहा है जिससे नयी–नयी बीमारियों का जन्म होता जा रहा है। केन्द्र द्वारा वीडियो के माध्यम से प्लास्टिक का उपयोग न करने के साथ ही पर्यावरण एवं आर्थिक सुधार के लिए वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया।

इसी क्रम में पर्यावरण सम्बन्धित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार भी प्राप्त किए। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला ने विभिन्न विलुप्त होती वृक्ष एवं फल प्रजातियों से अवगत कराया साथ ही पर्यावरण सुधार हेतु प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का सुझाव दिया।

कार्यक्रम के अन्त में केन्द्र द्वारा विद्यार्थियों से विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कराए गए। कार्यक्रम में विद्यालय के निदेशक, एस0 के0 तिवारी, कार्यक्रम समन्वयक डा0 सरिता पाण्डेय तथा डा0 सुमन तिवारी आदि का विशेष सहयोग रहा।

# कार्यक्रम की झलकियां

PRAKRITI
PRAKRITI

PRAKRITI

पारि–पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल, झूंसी में 35वां पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

# प्राकृतिक असंतुलन से जन्म ले रहीं नई बीमारियां

प्रयागराज संवाददाता। जीवन शैली में बदलाव कर पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए पारि पुनर्स्थापन वन अनुसंधान केंद्र की ओर से शुंभकर प्रकृति अभियान के तहत, सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। 35 वें पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को पर्यावरण एवं पेड़–पौधों के बारे में बताया गया। इस मौके पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.अनुभा श्रीवास्तव, स्कूल के प्रधानाचार्य आनंद कुमार पांडेय, डॉ. एसडी शुक्ला, एसके तिवारी, डॉ. सरिता पांडेय, डॉ. सुमन तिवारी आदि मौजूद रहे।

# पर्यावरण जागरूकता हेतु प्रकृति कार्यक्रमःवैज्ञानिक-विद्यार्थी संवाद

**कार्यालय संवाददाता**

प्रयागराज। पर्यावरण को सुदृढ़ बनाने के लिए हमारी जीवन शैली

में किए जा सकने वाले छोटे बदलावों के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली द्वारा शुरू किए गए अभियान शुभंकर ङप्रकृतिङ के अंतर्गत पारि - पुर्नस्थापन वन अनुसन्धान केन्द्र, प्रयागराज द्वारा सेन्ट्रल एकेडमी स्कूल, झूंसी, प्रयागराज में 35वाँ पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुरुआत में कार्यक्रम समन्वयक तथा वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 अनुभा श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को जलवायु परिवर्तन में वनो की भूमिका से अवगत कराया। विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद कुमार पाण्डेय ने मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे प्रकृति अभियान की सराहना करते हुए कहा कि आज मानव अपनी सुविधाओं के लिए प्रकृति में असंतुलन पैदा करता जा रहा है जिससे नयी-नयी बीमारियों का जन्म होता जा रहा है। केन्द्र द्वारा वीडियो के माध्यम से प्लास्टिक का उपयोग न करने के साथ ही पर्यावरण एवं आर्थिक सुधार के लिए वृक्षारोपण हेतु प्रेरित किया गया। इसी क्रम में पर्यावरण सम्बंधित प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और पुरस्कार प्राप्त किये। वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ0 एस0 डी0 शुक्ला ने विभिन्न विलुप्त होती वृक्ष एवं फल प्रजातियों से अवगत कराया साथ ही पर्यावरण सुधार हेतु प्लास्टिक के उपयोग को भी कम करने पर जोर दिया।